भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 1078

सोमवार, 26 जुलाई, 2021/4 श्रावण, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु वीजा देना

1078. श्री कनकमल कटारा:

श्रीमती केशरी देवी पटेल:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए शुरू की गई योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मुफ्त वीजा देने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) बांसवाड़ा-डूंगरपुर-राजस्थान में पर्यटन के विकास के लिए जारी की गई निधि का ब्यौरा क्या है;

(ड.) बांसवाड़ा-डूंगरपुर-राजस्थान में सूचीबद्ध पंजीकृत पर्यटक गाइडों की संख्या कितनी है और क्या उक्त गाइडों को वित्तीय सहायता प्रदान करने की कोई योजना है; और

(च) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय (एमओटी) अपनी विदेश संवर्धन और प्रचार योजना के तहत विदेशों में पर्यटन सृजन करने वाले बाजारों में विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने और वैश्विक पर्यटन बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए भारत का एक समग्र गंतव्य के रूप में संवर्धन करता है। उपरोक्त उद्देश्यों को एकीकृत विपणन और प्रचार रणनीति और यात्रा व्यापार, राज्य सरकारों और भारतीय मिशनों के सहयोग से एक समन्वित अभियान के माध्यम से पूरा किया जाता है।

विदेशों में किए गए प्रचार प्रयासों के विशिष्ट तत्वों में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, ऑनलाइन और आउटडोर मीडिया में विज्ञापन, अंतर्राष्ट्रीय मेलों और प्रदर्शनियों में भागीदारी, भारत को जाने सेमिनार, कार्यशालाएं, रोड शो और भारत शाम का आयोजन, ब्रोशर सहायता, ट्रैवल एजेंटों/टूर ऑपरेटरों के साथ संयुक्त विज्ञापन, पर्यटन मंत्रालय के आतिथ्य कार्यक्रम के तहत, देश का दौरा करने के लिए भारतीय व्यंजनों और सांस्कृतिक उत्सवों का आयोजन और समर्थन, प्रचार सामग्री का उत्पादन और विदेशी टूर ऑपरेटरों/मीडिया/राय निर्माताओं आदि के लिए परिचय यात्राओं का आयोजन करना शामिल हैं।

(ग): भारत सरकार ने हाल ही में पांच लाख पर्यटकों को मुफ्त पर्यटक वीजा देने की घोषणा की है। यह योजना 31 मार्च, 2022 या पांच लाख वीजा जारी होने तक, जो भी पहले हो। यह लाभ प्रति पर्यटक केवल एक बार ही मिलेगा।

(घ): पर्यटन मंत्रालय अपनी स्वदेश दर्शन योजना के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को उनके परामर्श से पर्यटन अवसंरचना परियोजनाओं के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस योजना के तहत परियोजनाओं को निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत करने, योजना दिशानिर्देशों का पालन करने और पहले जारी की गई निधियों के उपयोग आदि की शर्त पर स्वीकृत किया जाता है। इन योजनाओं के तहत परियोजनाओं की मंजूरी एक सतत प्रक्रिया है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के मरुस्थल, कृष्ण, आध्यात्मिक और विरासत परिपथों के तहत राजस्थान राज्य सरकार के लिए चार परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। विवरण **अनुबंध** में है।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय की प्रशाद योजना के तहत राजस्थान राज्य सरकार को पुष्कर/अजमेर के एकीकृत विकास के लिए 32.64 करोड़ रूपए की एक परियोजना 2015-16 में स्वीकृत की गई है।

(ङ) और (च): राजस्थान राज्य सरकार द्वारा बांसवाड़ा-डूंगरपुर में पंजीकृत पांच पर्यटक गाइड हैं और राजस्थान में क्षेत्रीय स्तर के 977 पर्यटक गाइड जिन्हें पर्यटन मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त है।
भारत सरकार ने हाल ही में 1.00 लाख रुपये प्रति पर्यटक गाइड की ऋण गारंटी योजना की घोषणा की है। इस योजना में पर्यटन मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त और राज्य सरकारों द्वारा मान्यता प्राप्त 10,700 क्षेत्रीय स्तर के पर्यटक गाइड सम्मलित हैं। कोई प्रसंस्करण शुल्क नहीं होगा, फोरक्लोज़र/पूर्व भुगतान शुल्क में छूट और अतिरिक्त संपार्श्विक की कोई आवश्यकता नहीं होगी।

****

अनुबंध

पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु वीजा देना के संबंध में दिनांक 26.07.2021 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1078 के भाग (घ) के उत्तर में **विवरण**।

(क) राजस्थान राज्य में स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण।

क्र. सं.	**राज्य/केंद्र शासित प्रदेश**	**परिपथ**	**स्वीकृति का वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रूपए में)**
1.	राजस्थान	मरूस्थल परिपथ	2015-16	सांभर लेक टाउन और अन्य स्थलों का विकास	50.01
2.	राजस्थान	कृष्णा परिपथ	2016-17	गोविंद देव जी मंदिर (जयपुर), खाटू श्याम जी (सीकर) और नाथद्वारा (राजसमंद) का एकीकृत विकास	75.80
3.	राजस्थान	आध्यात्मिक परिपथ	2016-17	चूरू (सालासर बालाजी)- जयपुर (श्री समोदे बालाजी, घाट के बालाजी, बंधेके बालाजी)- अलवर (पांडुपोल हनुमानजी, भृतहरी)- विराटनगर (बीजक, जैनसिया, अंबिका मंदिर)- भरतपुर (कमान क्षेत्र)- धौलपुर (मुचकुंद)- मेहंदीपुरबालाजी-चित्तौड़गढ़ (सांवलियाजी) का विकास	93.90
4.	राजस्थान	विरासत परिपथ	2017-18	राजसमंद (कुंभलगढ़ किला) - जयपुर (नाहरगढ़ किला) - अलवर (बाला किला) - सवाई माधोपुर (रणथंभौर किला और खंडार किला) - झालावाड़ (गागरोन किला) - चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ़ किला) - जैसलमेर (जैसलमेर किला) - हनुमानगढ़ (कालीबंगा, भटनेर किला और गोगामेड़ी) - जालोर (जालौर किला) - उदयपुर (प्रताप गौरव केंद्र) - धौलपुर (बाग-ए-नीलोफर और पुरानी छावनी)- नागौर (मीरा बाई स्मारक) का विकास	90.92
				योग	**310.63**

****